तिथि 31/8/2080

पाठ - 7 साथी हाथ बढ़ाना

कठिन शब्द

1. बाँस
2. रस्ता
3. चट्टानों
4. फ़ौलादी
5. बाँहें
6. खातिर
7. मंज़िल
8. ज़र्रा
9. इंसाँ
10. किस्मत

शब्दार्थ

1. ज़र्रा - कण

2. दरिया - नदी

3. इंसाँ - आदमी

4. किस्मत - भाग्य

5. मेहनत - परिश्रम

6. फ़ौलादी - बहुत पक्का

7. खातिर - वास्ते

8. गैरों - दूसरों

9. बोझ - भार

10. पर्वत - पहाड़

11. चट्टानें - कड़े पत्थर

सप्रसंग व्याख्या

साथी हाथ बढ़ाना . . . . पैदा कर दे राहें।

प्रसंग: प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक वसंत से साथी हाथ बढ़ाना नामक कविता से लिया गया है। इसके रचयिता सुप्रसिद्ध गीतकार साहिर लुधियानवी है। कवि का कहना है कि मेहनत करने वाले लोगों के सामने कठिन मुश्किलें भी नहीं टिकती हैं।

व्याख्या: कवि कहता है कि अकेला व्यक्ति काम करते हुए थक जाता है। उसके बोझ को बाँटकर काम कर लेना चाहिए। जिससे वह भी साथ चल सके। परिश्रम करने वाले लोगों ने एक साथ जब भी किसी मुश्किल काम को करने का निश्चय किया, उनको सागर ने रास्ता दिया और पर्वत भी झुक गया। अर्थात उनके सामने मुश्किलें नहीं टिक सकी। हमारी भुजाएँ लोहे के समान मजबूत हैं। हमारी बाँहों में काम करने की शक्ति है जिनसे हम मुश्किल से मुश्किल काम में भी विजय प्राप्त कर लेंगे।

मेहनत अपने लेख की रेखा . . . . अपना रस्ता नेक।

प्रसंग: प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक वसंत से 'साथी हाथ बढ़ाना' नामक कविता से लिया गया है इसके रचयिता सुप्रसिद्ध गीतकार साहिर लुधियानवी हैं इन पंक्तियों में बताया गया है कि मनुष्य को मेहनत करने से कभी भी घबराना नहीं चाहिए।

व्याख्या: कवि अपने मेहनती साथियों से कहता कि मेहनत तो हमारी किस्मत की रेखा है। फिर हम मेहनत करने से क्यों डरें। कल हमने मेहनत जमींदार मालिकों के लिए की है। आज हमें मेहनत अपने आजाद देश के लिए करनी है। हम सबका दुःख और सुख एक समान है। अपनी मंजिल सच की और रास्ता नेक है। इसके लिए हमें मिलजुल कर कार्य करना होगा।

एक से एक मिले तो कतरा - . . बस में कर ले किस्मत

व्या एक-एक बूँद पानी मिलकर नदी का रूप ले लेता है। रेत का एक-एक कण मिलकर रेगिस्तान बन जाता है। नदी के समान छोटे-छोटे दाने मिलकर विशाल पर्वत बन जाते हैं ऐसे में यदि एक-एक इंसान मिल जाए, तो वह अपनी किस्मत पर भी अधिकार कर सकता है। बस, इसके लिए केवल साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।

2/9 पाठ - 7

गीत से

प्र०1 इस गीत की किन पंक्तियों को तुम अपने आसपास की जिंदगी में घटते हुए देख सकते हो?

उत्तर साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
साथी हाथ बढ़ाना,
हम मेहनत वालों ने जब भी मिलकर कदम बढ़ाया,
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने शीश झुकाया,
फ़ौलादी हैं सीने अपने, फ़ौलादी हैं बाँहें।
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें।

प्र०2 सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया साहिर ने ऐसा क्यों कहा है? लिखो।

उत्तर साहिर ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि एक साथ मिलकर काम करने से बड़ी से बड़ी बाधाओं में भी रास्ता निकल आता है, यानी काम आसान हो जाता है। साहसी व्यक्ति सभी बाधाओं पर आसानी से विजय पा लेता है। क्योंकि एकता और संगठन में शक्ति होती है। जिसके बल पर वह पर्वत और सागर को भी पार कर लेता है।

प्र०3 गीत में सीने और बाँहें को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

उत्तर सीने और बाँहों को फ़ौलादी इसलिए कहा गया है क्योंकि हमारे इरादे मजबूत हैं। हमारे बाजुओं में अपार शक्ति है। हम ताकतवर हैं। हम बलवान हैं। हमारी बाँहें फ़ौलादी इसलिए भी हैं कि इसमें असीम कार्य क्षमता का पता चलता है। हमारी बाजुएँ काफी शक्तिशाली भी हैं।

पाठ - 7

गीत से आगे

प्र०1 अपने आस - पास तुम किसे अपना साथी मानते हो और क्यों? इससे मिलते - जुलते कुछ शब्द खोजकर लिखो।

उत्तर हम अपने आसपास, परिवार जन, रिश्तेदार, मित्र, पड़ोसी आदि को साथी मानते हैं, क्योंकि जरूरत पड़ने पर हम एक दूसरे के साथ मिलजुल कर भारी या मुश्किल लगनेवाला काम भी कर लेते हैं।
इससे मिलते - जुलते शब्द -
सहपाठी, सहकर्मी, सहचर, साथी, सखा दोस्त, मित्र आदि

प्र०2 'अपना दुख भी एक है साथी अपना सुख भी एक'
कक्षा, मोहल्ले और गाँव / शहर के किस - किस तरह के साथियों के बीच तुम्हें इस वाक्य की सच्चाई महसूस होती है और कैसे ?

उत्तर कक्षा में दुख और सुख एक कुछ इस प्रकार हो सकते हैं -
1. दुःख - गर्मी मे अगर कक्षा मे बिजली गुल हो जाये।
2 सुख - स्कूल पिकनिक के दौरान
मोहल्ले में दुख और और सुख कुछ इस प्रकार हो सकते है -
1. दुख - अगर मोहल्ले में कोई गंदे नाले की दुर्गंध आती हो,
2. सुख - मोहल्ले में कोई सार्वजनिक सुविधा जैसे स्कूल, हॉस्पिटल या पार्क का बनना।
गाँव मे दुख और सुख की बात इस प्रकार हो सकती है
1. दुख - अकाल पड़ जाना।
सुख - सुहावना मौसम होना।

प्र०3 इस गीत को तुम किस माहौल में गुनगुना सकते हो ?

उत्तर इस गीत को हम
- साथियों के साथ भारी समान उठाते समय
- मेहनत भरा कोई काम जिसको करने में बहुत सारे लोगों का सहयोग चाहिए।

• जब स्कूल में किसी उत्सव की तैयारी के समय गुनगुना सकते हैं।

प्र० ५ 'एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना'
(क) तुम अपने घर में इस बात का ध्यान कैसे रख सकते हो?
(ख) पापा के काम और माँ के काम क्या-क्या है?
(ग) क्या वे एक दूसरे का हाथ बँटाते हैं?

उत्तर (क) मैं घर में मेरे द्वारा करने लायक काम करके मम्मी-पापा का सहयोग कर देती हूँ। ताकि उनकी थकान कम हो।
(ख) पापा - घर के बाहर से समान लेकर आना, किसी भारी समान जैसे गैस सिलिंडर आदि को खिसकाना।
(ग) हाँ, वे एक-दूसरे का हाथ बँटाते हैं।

प्र०5 यदि तुमने 'नया दौर' फिल्म देखी है तो बताओ कि यह गीत फिल्म की कहानी के किस मोड़ पर आता है? यदि तुमने फ़िल्म नहीं देखी है तो फ़िल्म देखो और बताओ।

उत्तर 'नया दौर' फिल्म में जब कच्ची सड़क को पक्का करने के लिए सब मिलजुल कर काम करते हैं तब यह गीत आता है। यह गीत उनके सहयोग, उत्साह और जोश को प्रदर्शित करता है।

कहावतों की दुनिया

1. • अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।
• एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं।

(क) ऊपर लिखी कहावतों का अर्थ गीत की किन पंक्तियों से मिलता-जुलता है?
(ख) इन दोनों कहावतों का अर्थ कहावत-कोश में देखकर समझो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर एक अकेला थक जाएगा मिलकर बोझ उठाना।
एक से मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो जर्रा बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई, बन जाती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत

- अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।
  भले ही तुम बलवान और बहादुर हो,
  पर अकेले दुश्मनों का सामना नहीं
  कर सकते। तुम्हे पता है कि अकेला चना
  भाड़ नहीं फोड़ सकता।

- एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं —
  अगर हम मिलकर युद्ध करें तो हमारी
  विजय निश्चित है। आखिर एक और एक
  ग्यारह होते हैं।

प्रश्न नीचे हाथ से संबंधित कुछ मुहावरे दिए हैं। इनके अर्थ समझो और प्रत्येक मुहावरे से वाक्य बनाओ।

(क) हाथ को हाथ न सूझना।
(ख) हाथ साफ करना
(ग) हाथ-पैर फूलना।
(घ) हाथों हाथ लेना
(ङ) हाथ लगना।

उत्तर (क) बिजली के जाते ही अँधेरा हो गया कि हाथ को हाथ नहीं सूझ रहा था।
(ख) मौका मिलते ही चोर ने गहनों पर हाथ साफ कर दिया।
(ग) पुलिस को देखते ही चोर के हाथ पैर फूल गए।
(घ) नई किताब के बाजार में आते ही सबने हाथों-हाथ लिया।
(ङ) तुम नहीं जानते कि कितने इंतजार के बाद यह इनामी राशि मेरे हाथ लगी।

5/9

भाषा की बात

प्रश्न 1 हाथ और हस्त एक ही शब्द के दो रूप है। नीचे दिए शब्दों में हस्त और हाथ छिपे हैं। शब्दों को पढ़कर बताओ कि हाथों का इनमें क्या काम है –

हाथघड़ी हथौड़ा हस्तशिल्प हस्तक्षेप
निहत्था हथकंडा हस्ताक्षर हथकरघा

उत्तर 1. हाथघड़ी - हाथघड़ी हाथ की कलाई पर पहनी जाती है।

2 हथौड़ा - एक ऐसा लोहे का औजार जिसे हाथ से पकड़कर चलाया जाता है।

3 हस्तशिल्प - इस शिल्पकारी को हाथ से किया जाता है।

4. हस्तक्षेप - बीच बचाव करना इसका अर्थ है दखल देना।

5. निहत्था - जिसके हाथ में कोई हथियार न हो, उसे निहत्था कहते हैं

6. हथकंडा - किसी कार्य को पूरा करने के लिए अनुचित तरीका अपनाने को हथकंडा कहते हैं इसमें भी हाथ का कार्य नहीं है।

7. हस्ताक्षर - हाथ से अपना नाम लिखकर किसी कार्य हेतु स्वीकृति देना

8. हथकरघा - हाथ से किये जाने वाले छोटे-मोटे उद्योग-धंधे जैसे चरखा चलाना, कपड़ा बुनना, टोकरी बुनना आदि।

2 इस गीत में परबत, सीस, रस्ता, इंसाँ जैसे शब्दों के प्रयोग हुए हैं। इन शब्दों के प्रचलित रूप लिखो।

- परबत - पहाड़, पर्वत
- इंसाँ - इंसान, मनुष्य
- सीस - शीश, सिर, माथा
- रस्ता - रास्ता

3 'कल गैरों की खातिर की, आज अपनी खातिर करना' —
इस वाक्य को गीतकार इस प्रकार करना चाहता है।
(तुमने) कल गैरों की खातिर (मेहनत की), आज (तुम) अपनी खातिर करना। इस वाक्य में तुम कर्ता है जो गीत की पंक्ति में छंद बनाए रखने के लिए हटा दिया गया है। उपर्युक्त पंक्ति में रेखांकित शब्द 'अपनी' का प्रयोग कर्ता तुम के लिए हो रहा है। इसलिए वह सर्वनाम है। ऐसे सर्वनाम जो अपने आप के बारे में बताएं निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। निज का अर्थ अपना होता है। निजवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं।

- मैं अपने आप (या आप) घर चली जाऊँगी।
- बच्चन अपना काम खुद करता है।
- सुधा ने अपने लिए कुछ नहीं खरीदा।

अब तुम भी निजवाचक सर्वनाम के निम्नलिखित रूपों का वाक्यों में प्रयोग करो-

1. अपने को - हमें अपने को दुश्मन से बचाना है।
2. अपने पर - मुझे अपने पर भरोसा है।
3. अपने से - अपने से बड़े व्यक्तियों की बात माननी चाहिए
4. अपने लिए - हमें अपने लिए कुछ वक्त निकालना चाहिए।
5. अपना - आप इसे अपना ही समझो।
6. आपस में - आपस में झगड़ा मत करो।

कुछ करने को
बातचीत करते समय हमारी बातें हाथ की हरकत से प्रभावशाली होकर दूसरे तक पहुँचाती है। हाथ की हरकत से या हाथ के इशारे से भी कुछ कहा जा सकता है। नीचे लिखे हाथ के इशारे किन अवसरों पर प्रयोग होते हैं? लिखो।

- क्यों पूछते हाथ - किसी को पूछने के लिए करते हैं।
  ... से दुआ मांगने के लिए करते हैं

2 मना करते हाथ - किसी को मना करने के लिए होता है।

3 समझाते हाथ - किसी को समझाने के लिए करते हैं।

4 बुलाते हाथ - किसी को अपनी तरफ बुलाने के लिए करते हैं।

5 आरोप लगाते हाथ - किसी पर दोष लगाते समय उंगली से इशारा करते हुए बात करना।

6 जोश दिखाते हाथ - जोश दिखाते हुए दोनों हाथों की बाजुओं से इशारा करना।

7 ~~समझाते~~ चेतवनी देते हाथ - किसी काम के परिणाम के बारे में डराते समय।